

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

वित्त लेख, सघ सरकार

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 108]  
No. 108]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 6, 1984/चैत्र 17, 1906  
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 6, 1984/CHAITRA 17, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1984

सं 87/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 271(अ) —केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-  
शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा पदत  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 268/82-केन्द्रीय उत्पाद-  
शुल्क, तारीख 13 नवम्बर, 1982 को विरुद्धित करती है।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th April, 1984

NO 87/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 271(E) —In exercise of the powers,  
conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central

31 GI/84

Excise Rules, 1944, the Central Government  
hereby rescinds the notification of the Govern-  
ment of India in the Ministry of Finance (Depart-  
ment of Revenue) No. 268/82-Central Excises,  
dated the 13th November, 1982.

सं 88/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 272 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-  
शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा पदत  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक  
अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद न 16  
के अन्तर्गत आने वाले टायरों (जिनके अन्तर्गत ट्यूब और फ्लैप  
नहीं हैं) को, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर  
उद्गृहणीय होने वाले उत्पाद-शुल्क में छूट देती है जितना उक्त नियमों  
के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई और तत्समय  
एक किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त पहली अनुसूची के  
अधीन ऐसे टायरों पर उद्गृहणीय शुल्क की दर के अन्वी प्रतिशत  
की दर से गणित रकम से अधिक है।

परन्तु ऐसे टायरों का ऐसे कारखाने में विनिर्माण किया  
जाता है जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,  
1951 (1951 का 65) की धारा 11 या 13 के अधीन अनुज्ञप्त

औद्योगिक उपक्रम है और जिससे टायरों की निकासी 1 अप्रैल, 1976 को प्रारंभ होने वाली और 31 मार्च, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान पहली बार की गई थी (जिसे इसमें इसके पश्चात् टायरों की उक्त पहली निकासी कहा गया है):

परन्तु यह और कि जहां ऐसे टायरों का ऐसे कारखाने में विनिर्माण किया जाता है जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 11 के अधीन अनुज्ञप्त औद्योगिक उपक्रम है (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस परन्तुक में उक्त कारखाना कहा गया है) इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट टायरों की ऐसी निकासियों को लागू नहीं होगी,—

- (1) जो ऐसे टायरों की निकासियों से अधिक है जिसका इस अधिसूचना के अधीन छूट की रकम और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 16 जून, 1976 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 जुलाई, 1978 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1981 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 268/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 नवम्बर, 1982 में से सभी या किन्हीं अधिसूचनाओं के अधीन टायरों की निकासियों की बाबत प्राप्त की गई छूट की रकम का योग उतनी रकम के बराबर है जो—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय के विकास अधिकारी या भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के महाप्रबंधक द्वारा यथा प्रमाणित टायरों की उक्त पहली निकासी की तारीख से पूर्व टायरों के विनिर्माण के लिए उक्त कारखाने में संयंत्र और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि के पचास प्रतिशत के बराबर है, और

(ख) तकनीकी विकास महानिदेशालय के विकास अधिकारी या भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के महाप्रबंधक द्वारा यथा प्रमाणित टायरों की उक्त पहली निकासी की तारीख को या उसके पश्चात् कित्ता 31 मार्च, 1984 तक टायरों के विनिर्माण के लिए उक्त कारखाने में संयंत्र और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य के कुल योग का 30 प्रतिशत है या ;

- (2) जो उक्त कारखाने से टायरों की उक्त पहली निकासी की तारीख से सात वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् की गई है ;

परन्तु यह और भी कि जहां ऐसे टायरों का विनिर्माण ऐसे कारखाने में किया जाता है जो औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 13 के अधीन अनुज्ञप्त औद्योगिक उपक्रम है (जिसे इसमें इसके आगे इस परन्तुक में ऐसा कारखाना कहा गया है) इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट टायरों की ऐसे निकासी को लागू नहीं होगी,—

- (1) जो ऐसे टायरों की निकासियों से अधिक है जिसका इस अधिसूचना के अधीन छूट की रकम और भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधि-

सूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 16-6-1976 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 जुलाई, 1978 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 24 अप्रैल, 1981 या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 268/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 13 नवम्बर, 1982 में से सभी या किन्हीं अधिसूचनाओं के अधीन टायरों की निकासियों की बाबत प्राप्त की गई छूट की रकम का योग तकनीकी विकास महानिदेशालय के विकास अधिकारी या भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के महाप्रबंधक द्वारा यथा प्रमाणित टायरों की उक्त पहली निकासी की तारीख से पूर्व टायरों के विनिर्माण के लिए ऐसे कारखाने में संयंत्र और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कुल राशि के 30 प्रतिशत के बराबर है, या

## (2) जो—

(क) ऐसे कारखाने से टायरों की उक्त पहली निकासी की तारीख से ; या

(ख) ऐसे अन्य कारखाने से जिसमें टायरों का विनिर्माण इस परन्तुक में निर्दिष्ट औद्योगिक उपक्रम द्वारा किया जा रहा है या किया गया है, किसी भी समय टायरों की पहली निकासी की तारीख से,

सात वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् इन दोनों में से जो भी पहले हो, की जाती है ।

स्पष्टीकरण 1:—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए, सात वर्ष की उक्त अवधि की संगणना करने में,—

एक अप्रैल, 1980 को प्रारंभ होने वाली अवधि और 23 अप्रैल, 1981 को समाप्त होने वाली अवधि को हिसाब में नहीं लिया जाएगा ।

स्पष्टीकरण 2:—इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “छूट की रकम” इस अधिसूचना के अधवा, यथास्थिति, पूर्वोक्त अधिसूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के न होने की दशा में संदेय शुल्क की रकम (जिसके अंतर्गत उस पर संदेय विशेष उत्पाद-शुल्क, यदि कोई है, भी है) और इस अधिसूचना के अथवा यथास्थिति, पूर्वोक्त अधिसूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के अधीन विहित रियायती दर पर टायरों पर संवत्त शुल्क की रकम (जिसके अंतर्गत उस पर संदेय विशेष उत्पाद-शुल्क, यदि कोई है, भी है) के बीच अंतर की रकम होगी ।

स्पष्टीकरण 3:—स्पष्टीकरण 2 में “संदेय शुल्क की रकम”,—

- (1) ऐसे टायरों की दशा में जहां उत्पाद-शुल्क केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन मूल्य के प्रति निर्देश से प्रभाव्य हो वहां वह रकम होगी जो इस अधिसूचना के अधवा यथास्थिति पूर्वोक्त अधिसूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 142/

78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, या अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 268/82 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के प्रयोजनों के लिए उचित अधिकारी द्वारा अनुमोदित टायरों की प्रभावी मूल्य को, इस अधिसूचना के अधिन, यथास्थिति, पूर्वोक्त अधिसूचना सं. 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 142/78-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क या अधिसूचना सं. 268/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के न होने की दशा में टायरों पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क की दर को लागू करके संगणित की जाए; और

- (2) ऐसे टायरों की दशा में जहां केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन उत्पाद-शुल्क की दर मूल्य के प्रति निर्देश से प्रभावी नहीं हो वहां वह रकम होगी जो इस अधिसूचना के न होने की दशा में ऐसी दर को लागू कर के संगणित की जाए।

स्पष्टीकरण 4.—स्पष्टीकरण 3 में “निर्धारणीय मूल्य” एद से वह मूल्य अभिप्रेत है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार अवधारित किया जाए।

स्पष्टीकरण 5.—टायरों के विनिर्माण के लिए मंथन और मशीनरी पर किए गए पूंजी विनिधान के मूल्य की कले राशि की संगणना करने के प्रयोजनों के लिए, उस सम्पत्ति जब ऐसा विनिधान किया गया था। पूंजी विनिधान का अंकित मूल्य ही हिसाब में लिया जाएगा, किन्तु ऐसे मंथन और मशीनरी पर जो स्थायी तौर पर हटा दी गई है या प्रयोग के लिए अयोग्य ठहरा दी गई है, किए गए विनिधान का मूल्य अपवर्जित कर दिया जाएगा।

2. इस अधिसूचना की कोई बात ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी ओर से जिनके द्वारा या जिनकी ओर से एक या अधिक कारखानों से टायरों की निकासी पहली बार 1 अप्रैल, 1976 के पूर्व की गई थी, निकासी किए गए टायरों को लागू नहीं होगी।

## NO. 88/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 272(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts tyres (excluding tubes and flaps), falling under Item No. 16 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Act as is in excess of the amount calculated at the rate of eighty per cent. of the rate of duty leviable on such tyres under the said First Schedule, read with any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the said rules and in force for the time being :

Provided that such tyres are manufactured in a factory which is an industrial undertaking licensed under section 11 or section 13 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and from which the clearance of

tyres was effected for the first time during the period commencing on the 1st day of April, 1976 and ending with the 31st day of March, 1984 (hereinafter referred to as the said first clearance of tyres) :

Provided further that where such tyres are manufactured in a factory which is an industrial undertaking licensed under section 11 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) [hereinafter referred to in this proviso as the said factory], the exemption contained in this notification shall not apply to such of the clearances of tyres —

- (i) as are in excess of clearances of tyres in respect of which the aggregate of the amount of exemption under this notification and the amount of exemption, if any, availed in respect of clearances of tyres under all or any of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76-Central Excises, dated the 16th June, 1976, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142/78-Central Excises, dated the 14th July, 1978, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 268/82-Central Excises, dated the 13th November, 1982, equals an amount which is the aggregate or—

- (a) fifty per cent. of the sum-total of the value of capital investment made on plant machinery in the said factory for the manufacture of tyres prior to the date of the said first clearance of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development or the General Manager of the Industrial Development Bank of India, and

- (b) thirty per cent. of the sum-total of the value of capital investment made on plant and machinery in the said factory for the manufacture of tyres on or after the date of the said first clearance of tyres but upto the 31st March, 1984 as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development or the General Manager of the Industrial Development Bank of India; or

- (ii) as are effected after the expiry of a period of seven years from the date of the said first clearance of tyres from the said factory ;

Provided also that where such tyres are manufactured in a factory which is an industrial under-

taking licensed under section 13 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) [hereinafter referred to in this proviso as such factory], the exemption contained in this notification shall not apply to such of the clearances of tyres —

- (i) as are in excess of the clearances of tyres in respect of which the aggregate of the amount of exemption under this notification and the amount of exemption, if any, availed in respect of clearances of tyres, under all or any of the notifications of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76-Central Excises, dated the 16th June, 1976, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142/78-Central Excises, dated the 14th July, 1978, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 268/82-Central Excises, dated the 13th November, 1982, equals thirty per cent. of the sum-total of the value of capital investment made on plant and machinery in such factory for the manufacture of tyres prior to the date of the said first clearance of tyres as certified by the Development Officer of the Directorate-General of Technical Development or the General Manager of the Industrial Development Bank of India;

- (ii) as are effected after the expiry of a period of seven years —

- (a) from the date of the said first clearance of tyres from such factory; or
- (b) from the date of the first clearance of tyres at any point of time from any other factory in which the manufacture of tyres is being or has been carried on by the industrial undertaking referred to in this provision;

whichever is earlier.

**Explanation I.**—For the purposes of this notification, in computing the said period of seven years, the period commencing on the 1st day of April, 1980, and ending with the 23rd day of April, 1981, shall not be taken into account.

**Explanation II.**—For the purposes of this notification, the “amount of exemption” shall be the difference between the amount of duty payable (including special duty of excise, if any, payable thereon) but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, or 268/82-Central Excises, as the case may be, and the amount of duty paid on tyres (in-

cluding special duty of excise, if any, paid thereon) at the concessional rate prescribed under this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, or No. 268/82-Central Excises, as the case may be, respectively.

**Explanation III.**—The “amount of duty payable” in Explanation II,—

- (i) in the case of tyres where duty of excise is chargeable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) with reference to value, shall be the amount calculated by applying the rate of excise duty leviable on tyres, but for this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, or No. 268/82-Central Excises, as the case may be, to the assessable value of the tyres as approved by the proper officer for the purposes of this notification or the aforesaid notification No. 198/76-Central Excises, or No. 142/78-Central Excises, or No. 107/81-Central Excises, or No. 268/82-Central Excises, as the case may be, respectively; and
- (ii) in the case of tyres where the rate of excise duty is chargeable under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) not with reference to value, shall be the amount calculated by applying such rate, but for this notification.

**Explanation IV.**—The expression “assessable value” in Explanation III means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

**Explanation V.**—For the purposes of computing the sum-total of the value of the capital investment made on plant and machinery for the manufacture of tyres, the face value of the capital investment at the time when such investment was made only shall be taken into account, but, the value of the investment made on plant and machinery which have been removed permanently or rendered unfit for use shall be excluded.

2. Nothing contained in this notification shall apply to tyres cleared by or on behalf of a manufacturer by whom or on whose behalf clearance of tyres from any one or more factories was effected for the first time before the 1st day of April, 1976.

सं. 89/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 273(अ).—केन्द्रीय सरकार, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (टेक्मटाइल्स और टेक्मटाइल वस्तु) अधिनियम, 1978 (1978 का 40) की धारा 3 की उप-धारा (3) और वित्त



विधेयक 1984 के खण्ड 52 के उप-खण्ड (4), जो खण्ड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उस विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम, 56-कक के उप-नियम (1) के अनुसरण में भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 55/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1984 को निम्न-लिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, सारणी-क में क्रम सं. 11, 12 और 13 तथा सारणी-ख में क्रम सं. 2 के सामने स्तम्भ (5) में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि कारखाने से निकासी किए गए व्ययों की बाबत विनिर्माता ने वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 107/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 अप्रैल, 1981 द्वारा दी गई छूट का उपभोग नहीं किया है या यथा-स्थिति, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 268/82-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 13 नवम्बर, 1982, या वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 88/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 6 अप्रैल, 1984 द्वारा दी गई छूट का उपभोग नहीं करता है।

[फा. सं. 331/7/82-टी.आर.यू.]

के. एस. वेंकटगिरि, अवर सचिव

#### NO. 89/84-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 273(E).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 56AA of the Central Excises Rules, 1944,

read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Textiles and Textile Articles) Act, 1978 (40 of 1978) and sub-clause (4) of clause 52 of the Finance Bill, 1984, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 55/84-Central Excises, dated the 1st March, 1984, namely :—

In the said notification, against S. Nos. 11, 12 and 13 of Table-A and against S. No. 2 of Table-B, for the entry in column (5), the following entry shall be substituted, namely :—

“Provided that in respect of tyres cleared from the factory, the manufacturer has not availed of the exemption contained in the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 107/81-Central Excises, dated the 24th April, 1981, or does not avail himself of the exemption contained in the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 268/82-Central Excises, dated the 13th November, 1982, or in the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 88/84-Central Excises, dated the 6th April, 1984, as the case may be.”

[F. No. 331/7/82-TRU]

K. S. VENKATAGIRI, Under Secy.

